VKM

प्रशिक्षण दर्पण

त्रैमासिक पत्रिका

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, मध्य रेल, भुसावल - 425203

अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आय.एस.ओ. 9001:2000 प्रमाणित प्रथम क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान

वर्ष - प्रथम | अंक - तृतीय | जनवरी - मार्च 2007

फोन - 02582-222678/224600 • फैक्स -02582- 222678 • रेलवे - 54900/54918/54920 • फैक्स -54907/54910

❖ यातायात संकाय एक नजर में

यातायात संकाय का संगठन	
सहा. परिवहन प्रबंधक	02
मुख्य यातायात प्रशिक्षक	02
कुल यातायात प्रशिक्षक	13

संकाय की गतिविधियाँ

1. मध्य रेलवे के ऑपरेटिंग मैन्युअल तैयार करने में संकाय के अधिकारियों, प्रबुद्ध प्रशिक्षकों का सतत प्रयास ।
2. यातायात विषय की परि. सहा. स्टेशन मास्टर हेतू हिन्दी पाठ्य सामग्री तैयार की गई तथा अन्य प्रारंभिक एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के लिए इसी प्रकार का प्रयास जारी है ।
3. यातायात, परिवहन, अपघात प्रबंध एवं नई प्रणाली जैसे ए.सी.डी आदि विषयों पर यातायात संकाय के अलावा वाणिज्य, अभियांत्रिकी, डीजल, ए.सी. संकायों में एल.सी डी प्रोजक्टर के माध्यम से प्रभावी प्रशिक्षण।
4. संरक्षा से जुड़े कर्मचारियों के लिए माह में दो बार फ्यूजी का प्रात्यक्षिक प्रशिक्षण तथा प्रथमोपचार का सफलतम आयोजन ।
5. समय समय पर प्रशिक्षार्थियों के ज्ञान वर्धन के लिए प्रश्न मंच, संरक्षा नाटिका का आयोजन ।
6. संरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए क्रमबद्ध प्रत्येक प्रशिक्षकों द्वारा संरक्षा परिसंवाद का प्रतिमाह आयोजन ।
7. यातायात प्रतिमान कक्ष के माध्यम से ब्लाक उपकरण, सिग्नल, पैनल इंटरलाकिंग, क्रैंक हैंडल इत्यादि का विभिन्न प्रशिक्षार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण ।
8. पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में विशेषकर स्टेशन मास्टर, गार्ड, केबिन मास्टर एवं खंड नियंत्रक के लिए तीन दिन का विशेष संरक्षा शिविर (सैफ्टी कैम्प) का आयोजन ।
9. प्रशिक्षण कार्य के अलावा संकाय के प्रशिक्षकों द्वारा सोसायटी, इंस्टिट्यूट, सांस्कृतिक, खेलकूद, सिनेमा, फोटो इत्यादि कार्यों का प्रतिनिधित्व तथा प्रत्येक बुधवार को संस्थान में होने वाली प्रार्थना सभा में सक्रिय भागीदारी ।
10. **श्री विजय मोरे** याता.प्रशिक्षक को रेल मंत्री हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, **श्री राजेंद्र कुमार शर्मा** सहा. परिचालन प्रबंधक को हिन्दी का महाप्रबंधक पुरस्कार तथा **श्री अरूण कुमार सिंह** प्रवर यातायात प्रशिक्षक को महाप्रबंधक पुरस्कार एवं श्री वी. एन. पंडीदर को मख्य परिचालन प्रबंधक पुरस्कार प्राप्त करने में यातायात संकाय की उपलब्धि ।

❖ अतिथियों का आगमन

1. **श्री ओ पी केसरी मुख्य कारखाना प्रबंधक भुसावल** ने दि. 25.01.2007 को संस्थान में पधारे तथा संस्थान की प्रथम त्रैमासिक पत्रिका **प्रशिक्षण दर्पण** का विमोचन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने प्रभावी संभाषण द्वारा प्रशिक्षार्थियों का मार्गदर्शन भी किया ।

2. श्री धीरेंद्र कुमार झा उप मुख्य राजभाषा अधिकारी मुंबई ने दिनांक 27.3.2007 को संस्थान में चल रहे हिंदी कार्य कलाप व राजभाषा की प्रगति का निरिक्षण किया तथा राजभाषा के प्रति विशिष्ट मार्गदर्शन भी दिया ।
3. दिनांक 24.2.2007 को श्री सतीश कुमार (मुख्य विद्युत इंजिनियर मध्य रेल) ने संस्थान मे भेंट दी तथा संस्थान के ए.सी. प्रतिमान कक्ष तथा ए.सी. सिमुलेटर का निरिक्षण किया । उन्होंन संस्थान के सभा कक्ष में सभी अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों की उपस्थिति में अपना व्याख्यान भी दिया ।

❖ अतिथि व्याख्यान

1. श्री एन.एस. काझी सहा कार्मिक अधिकारी भुसावल दिनांक 30.01.2007 को संस्थान में छोटी व बड़ी शास्तियाँ विषय पर व्याख्यान दिया ।
2. श्री टी.जी. जाधव सहा. परिचालन प्रबंधक कोचिंग दिनांक 01.2.2007 को प्री.एल.जी.एस. कक्षा में यात्री गाड़ी परिचालन विषय पर व्याख्यान दिया ।
3. श्री ई.जी. सदावर्ते सहा परिचालन प्रबंधक गुड्स ने दिनांक 02.02.2007 को गाड़ी परिचालन में संरक्षा विषय पर प्री. एल.जी.एस. कक्षा में अपने प्रभावी व्याख्यान दिये ।

❖ नवीन प्रविधियॉ

ट्रेनी मैनेजर सिस्टम - इस सिस्टम का शुभारंभ माननीय प्राचार्य महोदय ने दिनांक 01 जनवरी 2007 को किया। संस्थान में ही निर्मित एवं विकसित ट्रेनी मैनेजर सॉफ़्टवेयर एक नया प्रयास है। इस सॉफ्टवेयर को **श्री अनीश कुमार**, सहा.लोको पायलट, मुंबई ने बनाया है। साथ ही संस्थान के **श्री आर.वाय.जंगले**, मुख्य

सिमुलेटर प्रशिक्षक तथा **श्री एस.के.माली**, वरि. सिमुलेटर प्रशिक्षक ने इस सिस्टम को लागू करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सिस्टम के माध्यम से प्रशिक्षार्थियों के आगमन से लेकर प्रस्थान तक की सभी जानकारी संगणक में प्रविष्टि की जाती है । जिसमें प्रशिक्षार्थियों का संस्थान में प्रवेश, छात्रावास आबंटन, पुस्तकों का वितरण इत्यादि जानकारी भी शामिल है। इस सिस्टम के लिए प्राचार्य, उपप्राचार्य, ट्रेनिंग सेक्शन, गोपनीय कक्ष, पुस्तकालय तथा सभी अधिकारियों के संगणक को लोकल एरिया नेटवर्क द्वारा जोडा गया है। इसके माध्यम से कागजी कार्यवाही में बहुत कमी आई तथा संस्थान के कार्यकलापों में पारदर्शिता आई है।

❖ अन्य गतिविधियाँ

1. दिनांक 26.01.2007 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर 58 वी वर्षगांठ मनाई गई इस उपलक्ष में विविधता में-एकता की संकल्पना पर आधारित के.जी.स्कूल के बच्चों का फैन्सी ड्रेस का प्रदर्शन महिला समाज सेवा समिति द्वारा आयोजित किया गया । इस अवसर पर परेड में भाग लेने वाले प्रशिक्षार्थियों एवं प्रायमरी स्कूल के बच्चों तथा के.जी.स्कूल के बच्चों को प्राचार्य महोदय द्वारा नकद पुरस्कार दिया गया ।
2. दिनांक 30.01.2007 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की पुण्य तिथि के अवसर पर दो मिनट का मौन धारण कर संस्थान के सभी अधिकारी, प्रशिक्षक, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थियों द्वारा राष्ट्र के शहीदों को श्रृद्धांजली अर्पित की गई ।
3. **सांस्कृतिक कार्यक्रम** : अंतर संकाय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रेणी में माह जनवरी में ए.सी. टी. आर. एस.तथा ए.सी.सिमुलेटर संकाय द्वारा दिनांक 25.01.2007 को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें लोको पायलट द्वारा प्रस्तुत किया गया नाटक (डी.जे.) प्रशंसनीय रहा । मुख्य प्रशिक्षक श्री धनंजय सिंह एवं श्री संजीव कुमार प्रवर ए.सी. प्रशिक्षक तथा अन्य सदस्यों ने विशेष योगदान दिया।

दिनांक 27.2.2007 को टी.एल.जी.एस./ ओ.एच.ई./ सी एंड डबल्यू/अभियांत्रिकी संकाय द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयेजित किया गया । जिसमें श्री दिवाकर भट्ट मुख्य टी.एल.जी.एस. प्रशिक्षक तथा श्री एस.के.साह मुख्य सी.एण्ड डबल्यू प्रशिक्षक ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई ।

इसी श्रृंखला में दिनांक 28.3.2007 को यातायात संकाय द्वारा विधिवत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें सांस्कृतिक सचिव श्री ए.के.सिंह, यातायात प्रशिक्षक श्री ए.एम.दांडवेकर ने कार्यक्रम का सफल किया एवं श्री विजय काशीनाथ मोरे ने प्रभावी मंच संचालन किया।

सभी कार्यक्रमों की समाप्ति पर प्राचार्य महोदय द्वारा प्रशिक्षार्थी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न पदान किये गये तथा मुख्य अतिथि द्वारा प्रशिक्षार्थियों के कला प्रदर्शन को मुक्त कंठ से सराहा ।

❖ मानसून गश्त (पेट्रोलिंग)

विजय काशीनाथ मोरे (याता.प्रशिक्षक)

वर्षा (मानसून) का मौसम प्रारंभ होने जा रहा है अत: सामयिक दृष्टि से मानसून पेट्रोलिंग की चर्चा करना प्रासंगिक होगा इसी संदर्भ में सामान्य एवं सहायक नियम SR 15.04-2 के संदर्भ इस प्रकार हैं । सामान्यत: उक्त समयावधि 01 जून से 31 अक्टूबर तक होती है परंतु सेक्शन विशेष में मानसून प्रारंभ होने की तारीख उस सेक्शन के सहायक इंजीनियर द्वारा निर्धारित की जाती है । वर्षा प्रारंभ होने से समाप्ति तक रात के समय लाइन पर गश्त अवश्य लगानी चाहिए । जब तक सेक्शन में वर्षा वास्तव में प्रारंभ न हो जाए तब तक गश्त प्रारंभ नहीं करना चाहिए । मंडल इंजिनियरों द्वारा विभिन्न सेक्शनों के लिए तैयार किये गये गश्त चार्ट, सहायक इंजिनियरों, रेल पथ निरिक्षकों, नियंत्रकों एवं स्टेशन मास्टरों को दिये जायेंगे ।

स्टेशन मास्टर गश्तवालों के आगमन एवं प्रस्थान का समय गश्त पुस्तकों में लिखकर अपने हस्ताक्षर करेंगे तथा स्टेशन डायरी में गश्त वालों के नाम एवं उनके आने एवं जाने का समय दर्ज करेंगे । स्टेशनों के दोनों तरफ गश्तवाले निर्धारित किये गये स्थान तक गश्त लगायेंगे एवं अपनी गश्त पुस्तकें हस्तांतरित करेंगे

यदि कोई गश्तवाला अपने क्षेत्र के अंतिम सिरे पर दूसरे गश्तवाले को पुस्तक लेने के लिए प्रतिक्षा करते हुये न पाये तो उसे रूक कर उस गश्त वाले का इंतजार नहीं करना चाहिए बल्कि उसे तब तक आगे चलते रहना चाहिए जब तक वह गश्तवाला उसे न मिल जाए और अगले स्टेशन पर जाकर रिपोर्ट करनी चाहिए ।

यदि कोई गश्तवाला अपने निर्धारित आगमन समय के 15 मिनट पश्चात तक नहीं आता तो ड्यूटी वाला स्टेशन मास्टर उस ब्लाक सेक्शन में बिना रूके थ्रु जाने वाली सभी गाड़ियों को रोकेगा एवं दूसरे सिरे के स्टेशन मास्टर को भी गाड़ी रोकने के लिए कहेगा और नियंत्रक को भी सूचित करेगा । उस ब्लाक सेक्शन में जाने वाली सभी गाड़ियों को सतर्कता आदेश जारी करेगा जिसमें चालक को सतर्क रहने के साथ साथ 40 कि.मी.प्र.घ. (जब दृश्यता साफ हो) एवं 15 कि.मी.प्र.घ. (रात में या जब दृश्यता साफ न हो) के गति प्रतिबंध का उल्लेख किया जायेगा । संबंधित स्टेशन के स्टेशन मास्टर संबंधित सेक्शन में गैंगमैन या काँटेवाले को भेजकर, यदि वह उपलब्ध हो, गश्तवाले के न लौटने का कारण मालूम करेगा ।

उपर्युक्त सतर्कता आदेश तब तक जारी किया जाता रहेगा जब तक कि गश्तवाला आकर यह रिपोर्ट न करे कि लाइन, गाड़ियों के आवाजाही के लिए सुरक्षित है ।

जब खतरे की आशंका हो या क्षति दिखाई पड़े तब गश्तवाले को लाइन का बचाव इस प्रकार से करना चाहिए।

1. **इकहरी लाइन पर जहाँ एक गश्तवाला नियुक्त हो..**

किसी एक दिशा से आने वाली गाड़ी को चेतावनी देने के लिए साफ साफ दिखाई देने वाले प्रमुख स्थान पर एक लाल बत्ती रखने के बाद विपरित दिशा की ओर दौड़कर प्रभावित स्थान से बड़ी लाईन के मामले में 600-600-10-10 मीटर पर चार पटाखे तथा छोटी लाईन के मामले में 400-400-10-10 मीटर पर चार पटाखे लगाकर उसे प्रभावित स्थान पर लौट आना चाहिए और दूसरी ओर का बचाव भी इसी तरह से करना चाहिए तथा गाड़ी को रोकना चाहिए । यदि पटाखे लगाने के लिए पर्याप्त समय न हो तो एक पटाखे लगाकर एवं फ्यूजी सिगनल का उपयोग कर गाड़ी को रोकना चाहिए ।

2. **दोहरी लाइन पर जहाँ एक गश्तवाला नियुक्त हो ..**

उपरोक्त इकहरी लाइन के अनुसार कार्यवाही कर गाड़ी को रोका जाना चाहिए ।

3. **दोहरी लाइन पर जहाँ दो गश्तवाले नियुक्त हों ..**

दोनों गश्तवाले फ्यूजी सिगनल को लगाकर विपरीत दिशाओं की ओर खतरा हाथ सिगनलों के साथ आगे बढ़ेंगे और वे खतरे के स्थान से बड़ी लाईन पर 600-600-10-10 मीटर पर चार पटाखे तथा छोटी लाइन पर 400-400-10-10 मीटर पर चार पटाखे लगाकर दोनों लाइनों पर आने वाली गाड़ियों का बचाव करेंगे ।

तेज बाढ़, रेल पथ के बह जाने इत्यादि के कारण यदि गश्तवाले उस अवरोध स्थल को पार न कर सकते हों तब दूसरी दिशा से उस अवरोध स्थल की ओर आने वाली गाड़ी को रोकने के लिए खतरा हाथ सिगनल और जलता हुआ फ्यूजी दिखाकर उसे रोकने की कोशिश करेगा तथा दूसरा गश्तवाला प्रभावित स्थान के सबसे निकट के स्टेशन की ओर तेज गति से जायेगा तथा स्टेशन मास्टर को घटना की रिपोर्ट देगा । स्टेशन मास्टर उस ब्लाक सेक्शन में प्रवेश करने वाली गाड़ियों को रोकेगा तथा दूसरे सिरे के स्टेशन मास्टर एवं नियंत्रक तथा सर्व संबंधितों को सूचित करेगा जो कि आवश्यक कार्यवाही करेंगे ।

प्राचार्य महोदय द्वारा वर्ष 2007-08 के ट्रेनिंग कैलेण्डर का विमोचन ।

❖ सम्पादकीय

प्रशिक्षण दर्पण के इस अंक के सम्पादकीय लिखते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है, क्योंकि इस संस्थान की नवीनतम गतिविधियों को क्रमानुसार इसमें प्रकाशित किया जा रहा है । इस हेतू इस पत्रिका के प्रकाशन में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से संबंधित पूरी टीम बधाई की पात्र हैं ।

संस्थान में ही निर्मित **ट्रेनी मैनेजर सिस्टम** एक नया प्रयास है जिसे संस्थान के ही प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षार्थियों ने विकसित किया है, जिसे ट्रेनिंग सेक्शन, गोपनीय कक्ष, पुस्तकालय तथा सभी अधिकारियों के संगणकों को लेकल एरिया नेटवर्क के माध्यम से जोड़ा गया है । इससे कागजी कार्यवाही में बहुत कमी आई है तथा प्रशिक्षार्थियों के आगमन, प्रस्थान, प्रशिक्षार्थियों का पूरा विवरण, कोर्स विवरण, परीक्षा, पुस्तकालय से जारी पुस्तकों का लेखा जोखा होस्टल एवं रूम नम्बर इत्यादि सभी एक जगह समय पर कम्प्यूटर के बटन दबाते ही मिल जाती है । अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों के प्रभावी पर्यवेक्षण, नियंत्रण तथा संस्थान के कार्यकलापों में पारदर्शिता इसके माध्यम से बढ़ी है ।

संस्थान के विभिन्न संकायों की संक्षिप्त जानकारी इस अंक से प्रारंभ की जा रही है । इसी कड़ी में महत्वपूर्ण संकाय यातायात की उपलब्धियाँ, जानकारी इस अंक में प्रकाशित की गई है ।

संस्थान के क्रियाकलापों एवं गतिविधियों के सुनहरे अवसरों को इस पत्रिका के माध्यम से प्रस्तुत किये जाते रहेंगे, यही मेरी शुभकामनाएँ हैं ।

इस पत्रिका को और मुखर एवं उपयोगी बनाए जाने के लिए पाठकगण से सहर्ष सुझाव अपेक्षित हैं ।

बृजेन्द्र कुमार
प्राचार्य
क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान,
भुसावल

❖ स्वागत / बधाई / बिदाई

1. श्री आर. के शर्मा (सहा.परिचालन प्रबंधक) को हिन्दी में प्रशंसनीय कार्य करने हेतू महाप्रबंधक मध्य रेल द्वारा 1000 रूपये का नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

2. श्री अतुल एम. दांडवेकर (यातायात प्रशिक्षक) एवं श्री विजय के. मोरे (यातायात प्रशिक्षक) तथा श्री के. ओ. पोतदार (प्रवर अभियांत्रिकी प्रशिक्षक) को राजभाषा सप्ताह के अवसर पर मुंबई महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित निबंध / टिप्पण आलेखन/वाक् प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, तृतीय/प्रोत्साहन, एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

3. श्री मोहम्मद इजहार प्रवर ए.सी.लोको पशिक्षक को मुख्य विद्युत इंजिनियर ने अपने निरिक्षण के दौरान 1000/- रूपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया ।

4. श्री विवेक कुमार (यातायात प्रशिक्षक) श्री ए.जी. गाडगील (प्रवर वाणिज्य प्रशिक्षक) को संस्थान में नियुक्ति एवं आगमन पर हार्दिक बधाई ।

संपादक मंडल

संरक्षक	:	**श्री रविन्द्र नाथ वर्मा,** मुख्य परिचालन प्रबंधक
मार्गदर्शन	:	**श्री मुकुल मारवाह,** मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक
मुख्य संपादक	:	**श्री बृजेन्द्र कुमार,** प्राचार्य
उप संपादक	:	**श्री एम.के. अग्रवाल,** उप प्राचार्य
सह संपादक	:	**श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा,** सहा. परिचालन प्रबंधक **श्री महेश कुमार,** सहा. मंडल विद्युत अभियंता
संकलन	:	**श्री विजय मोरे,** वरि.यातायात प्रशिक्षक **श्री अरूण कुमार सिंह,** वरि.यातायात प्रशिक्षक
ग्राफिक्स/सज्जा	:	**श्री शशिकांत के. माली,** वरि. सिमुलेटर प्रशिक्षक

द्वारा मुद्रित : भा. ज. वनमाली, उप मुख्य प्रबंधक, मुद्रण व लेखन सामग्री, मध्य रेल मुद्रणालय, मुंबई - २७.